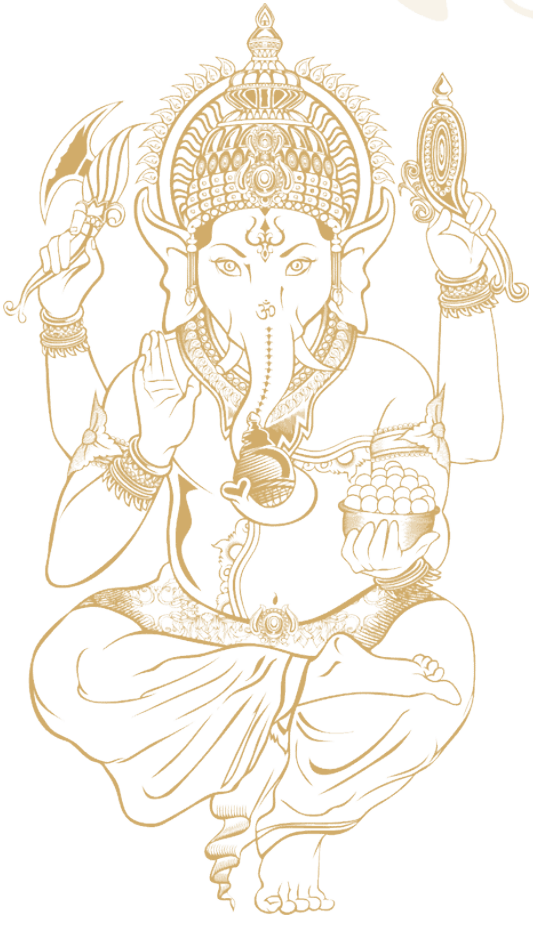

Deepak Jind Vch

24 May 2003

06:55 AM

Charkhi Dadri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121771802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/05/2003**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**06:55:00 घंटे**
इष्ट	03:31:48 घटी
स्थान	**Charkhi Dadri**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:37:00 उत्तर
रेखांश	76:16:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:30:04 घंटे
वेलान्तर	00:03:14 घंटे
साम्पातिक काल	22:35:02 घंटे
सूर्योदय	05:30:16 घंटे
सूर्यास्त	19:13:29 घंटे
दिनमान	13:43:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	08:35:32 वृष
लग्न के अंश	29:02:28 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वैधृति
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेनजित
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	29:02:28	342:59:06	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			वृष	08:35:32	00:57:40	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	20:34:26	12:21:02	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल			मक	24:27:30	00:32:00	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	उच्च राशि
बुध			मेष	17:45:16	00:16:57	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
गुरु			कर्क	17:45:16	00:08:02	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	उच्च राशि
शुक्र			मेष	15:19:30	01:12:51	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			मिथु	04:44:02	00:07:17	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	05:33:20	00:00:00	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	05:33:20	00:00:00	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	08:50:15	00:00:42	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	19:16:07	00:00:16	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	25:08:38	00:01:31	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	13:08:05	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:01

लग्न-चलित

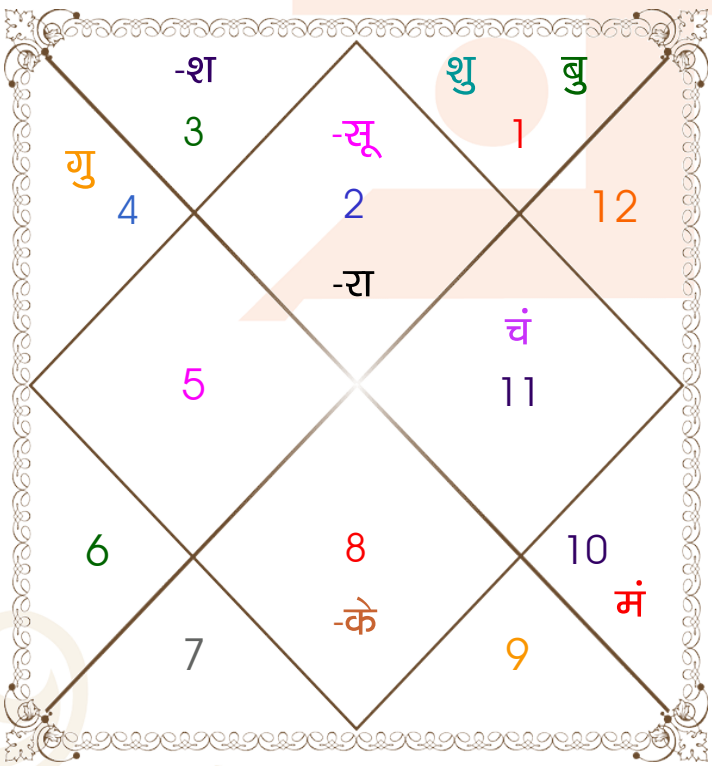

चन्द्र कुंडली

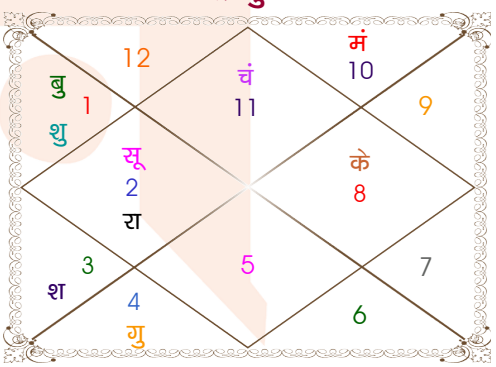

नवमांश कुंडली

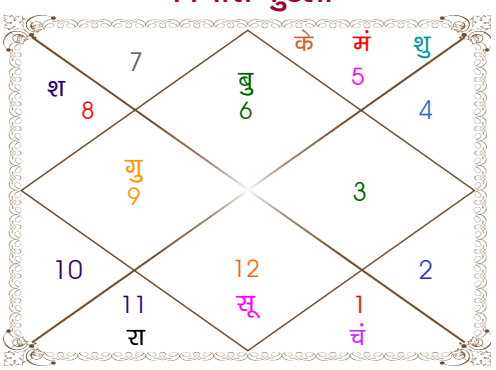

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 3 मास 22 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
24/05/2003		14/09/2018		14/09/2037		14/09/2054		14/09/2061	
14/09/2018		14/09/2037		14/09/2054		14/09/2061		14/09/2081	
गुरु	01/11/2004	शनि	17/09/2021	बुध	11/02/2040	केतु	10/02/2055	शुक्र	13/01/2065
शनि	16/05/2007	बुध	27/05/2024	केतु	07/02/2041	शुक्र	11/04/2056	सूर्य	14/01/2066
बुध	21/08/2009	केतु	06/07/2025	शुक्र	09/12/2043	सूर्य	17/08/2056	चंद्र	14/09/2067
केतु	28/07/2010	शुक्र	05/09/2028	सूर्य	14/10/2044	चंद्र	18/03/2057	मंगल	14/11/2068
शुक्र	28/03/2013	सूर्य	18/08/2029	चंद्र	16/03/2046	मंगल	15/08/2057	राहु	14/11/2071
सूर्य	14/01/2014	चंद्र	19/03/2031	मंगल	13/03/2047	राहु	02/09/2058	गुरु	15/07/2074
चंद्र	16/05/2015	मंगल	27/04/2032	राहु	29/09/2049	गुरु	09/08/2059	शनि	14/09/2077
मंगल	21/04/2016	राहु	04/03/2035	गुरु	05/01/2052	शनि	17/09/2060	बुध	15/07/2080
राहु	14/09/2018	गुरु	14/09/2037	शनि	14/09/2054	बुध	14/09/2061	केतु	14/09/2081

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
14/09/2081		14/09/2087		14/09/2097		15/09/2104		15/09/2122	
14/09/2087		14/09/2097		15/09/2104		15/09/2122		00/00/0000	
सूर्य	02/01/2082	चंद्र	15/07/2088	मंगल	10/02/2098	राहु	29/05/2107	गुरु	25/05/2123
चंद्र	03/07/2082	मंगल	13/02/2089	राहु	01/03/2099	गुरु	21/10/2109		00/00/0000
मंगल	08/11/2082	राहु	15/08/2090	गुरु	05/02/2100	शनि	27/08/2112		00/00/0000
राहु	03/10/2083	गुरु	15/12/2091	शनि	16/03/2101	बुध	17/03/2115		00/00/0000
गुरु	21/07/2084	शनि	15/07/2093	बुध	14/03/2102	केतु	03/04/2116		00/00/0000
शनि	03/07/2085	बुध	15/12/2094	केतु	10/08/2102	शुक्र	04/04/2119		00/00/0000
बुध	09/05/2086	केतु	16/07/2095	शुक्र	10/10/2103	सूर्य	27/02/2120		00/00/0000
केतु	14/09/2086	शुक्र	15/03/2097	सूर्य	15/02/2104	चंद्र	28/08/2121		00/00/0000
शुक्र	14/09/2087	सूर्य	14/09/2097	चंद्र	15/09/2104	मंगल	15/09/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 3 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।